



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

C. K. K. K.
13.12.84

सं० 493]
No. 493]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 1, 1984/अश्विन 9, 1906
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 1, 1984/ASVINA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1984

आदेश

कां० 761 (अ)/18 कक/आई.डी. आर. ए./84—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का. आ. 602 (अ)/18कक/आई.डी. आर. ए./74 तारीख 9 अक्टूबर, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट व्यक्ति निकाय को मीसर्स मोटर एण्ड मशीनरी पन्थ्रफेम्बरर्स लिमिटेड, कलकत्ता का प्रबन्ध, अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्रसिद्ध किया था और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का. आ. 567 (अ)/18 कक आई.डी. आर. ए./78 तारीख 25 सितम्बर, 1978 द्वारा उक्त व्यक्ति निकाय के स्थान पर उक्त औद्योगिक उपक्रम के मुख्य अधिशासक श्री पी. एन. रामचन्द्रन को प्रतिस्थापित किया गया था, और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का. आ. 866 (अ)/18 कक/

आई.डी. आर. ए./80 तारीख 29 अक्टूबर, 1980 द्वारा श्री के.एम. रैनजी, उपमहाप्रबन्धक, भारत हीवी इलेक्ट्रीकल्स, लिमिटेड कलकत्ता को उक्त औद्योगिक उपक्रम के प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का. आ. 572 (अ)/18कक/आई.डी. आर. ए./79 तारीख 8 अक्टूबर, 1979 का. आ. 738 (अ)/18 कक/आई.डी. आर. ए./81 तारीख 6 अक्टूबर, 1981 का. आ. 263 (अ)/18 कक/आई.डी. आर. ए./82, तारीख 8 अप्रैल, 1982, का. आ. 719 (अ)/18 कक/आई.डी. आर. ए./82, तारीख 8 अक्टूबर, 1982, का. आ. 8 (अ)/18 कक आई.डी. आर. ए./83, तारीख 7 जनवरी, 1983 का. आ. 282 (अ)/18 कक/आई.डी. आर. ए./83, तारीख 8 अप्रैल, 1983, का. आ. 718 (अ)/18कक/आई.डी. आर. ए./83, तारीख 7 अक्टूबर, 1983 का. आ. 10 (अ)/18कक/आई.डी. आर. ए./84 तारीख 7 जनवरी, 1984 का. आ. 271 (अ)/18 कक/आई.डी. आर. ए./84, तारीख 7 अप्रैल, 1984 और का. आ. 491 (अ)/18कक/आई.डी. आर. ए./84 तारीख 6 जुलाई, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अधिग्रहीत तारीख 8 अक्टूबर, 1984 तक बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश एक मास की अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिए; अतः, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,

1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का, प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उपर्युक्त आदेश 8 नवम्बर, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का. सं० 2(23)/79-सी.यू.एस.]

ए. पी. सरयन, समुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 1st October, 1984

ORDER

S. O. 761 (E) /18AA/IDRA/84.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S. O. 602 (E)/18AA/IDRA/74, dated the 9th October, 1974 (hereinafter referred to as the said Order) made in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government authorised a body of persons specified therein to take over the management of Messrs Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, for a period of five years commencing from 9th October, 1974 and the said body of persons was replaced by Shri P. N. Ramachandran, Chief Executive of the said industrial undertaking by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 567 (E)/18AA/IDRA/78, dated the 25th September, 1978 and by Shri K. M. Banerjee, Deputy General Manager, Bharat Heavy Electricals Limited, Calcutta,

by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. S.O. 866 (E)/18AA/IDRA/80, dated the 29th October, 1980, to take over the management of the said industrial undertaking :

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Nos. S. O. 572 (E)/18AA/IDRA/79, dated the 8th October, 1979, S. O. 738 (E)/18AA/IDRA/81, dated the 6th October, 1981, S. O. 263 (E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th April, 1982, S. O. 719(E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th October, 1982, S. O. 8(E)/18AA/IDRA/83, dated the 7th January, 1983, S. O. 282(E)/18AA/IDRA/83, dated the 8th April, 1983, S. O. 718(E)/18AA/IDRA/83, dated the 7th October, 1983, S. O. 10(E)/18AA/IDRA/84, dated the 7th January, 1984, S. O. 271(E)/18AA/IDRA/84, dated the 7th April, 1984 and S.O. 491(E)/18AA/IDRA/84, dated the 6th July, 1984, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 8th October, 1984 ;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period of one month ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 8th November, 1984.

[F. No. 2(23)/79-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.